केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर

देवप्रयाग -249301

भारतीयदार्शनिकानुसंधानपरिषद्, नयी दिल्ली की

वित्तीयसहाय्यता से

आन्तरिकगुणवत्ता-आश्वासनप्रकोष्ठ एवं न्यायविभाग के संयुक्ततत्त्वावधान में

भारतीय दर्शन दिवस (आद्य शंकराचार्य जयन्ती) -2022

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

(14 -15 जुलाई 2022)

विषय- ''स्वातन्त्र्योतर भारतीय दार्शनिक''

.....

I.C.P.R. Sponsored *International Seminar*

(Virtual & Physical Both mode) with Paper Presentation

On

Post independence Indian Philosophers

On the occasion of the Indian Philosophy Day -2022

(July 14th – 15th , 2022)

Report (प्रतिवेदन)

ICPR
INDIAN COUNCIL OF PHILOSOPHICAL RESEARCH

समय	दिनाङ्क - 14.07.2022 के कार्यक्रम का विवरण
प्रातः 11.00 से 1.00 बजे तक	भारतीय दर्शन दिवस 2022 के उपलक्ष्य में तथा भगवान आद्यशंकराचार्य की जयंती के अवसर में आंतरिक-गुणवत्ता-आश्वासन प्रकोष्ठ तथा न्यायविभाग, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. सच्चिदानंद स्नेही महोदय के संयोजन में **स्वातंत्र्योत्तरभारतीयदार्शनिकाः दर्शनञ्च** इस विषय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आफलाइन तथा ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई । संगोष्ठी का उद्घाटन समारोह 14 जुलाई 2022 प्रातः 11.00 बजे से 1.00 बजे तक संपन्न हुआ उस अवसर में मंच संचालन व्याकरण विभाग की आचार्या डॉ. मनीषा आर्या ने एवं

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर

देवप्रयाग -249301

	प्रस्तावना तथा अतिथियों का स्वागत डॉ. सच्चिदानंद स्नेही महोदय ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रोफेसर अन्नपूर्णा नौटियाल जी ने उद्बोधन किया। एवं विशिष्ट व्याख्यान प्रोफेसर एस. आर. भट्ट महोदय तथा आई.सी.पी.आर. नवदेहली संस्था के सदस्य सचिव प्रोफ़ेसर सच्चिदानंद मिश्र महोदय ने किया । अध्यक्षीय उद्बोधन परिसर के माननीय निदेशक प्रोफेसर एम्. चंद्रशेखर महोदय ने किया।
उद्घाटनसत्र में प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल महोदया सम्बोधन।	
समुस्थित छात्र एवं श्रोतागण।	
उद्घाटनसत्र में प्रो. माननीय निदेशक प्रोफेसर एम्. चंद्रशेखर महोदय सम्बोधन।	

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर

देवप्रयाग -249301

	14 जुलाई 2022 को द्वितीय सत्र पत्रवाचन सत्र 2:30 बजे से समायोजित किया गया सत्राध्यक्ष के रूप में वेदविभाग के अध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र प्रसाद उनियाल महोदय उपस्थित थें एवं प्रस्तावना तथा अतिथियों का स्वागत न्याय विभाग के अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानंद स्नेही महोदय ने किया । **आध्यक्षीय उद्बोधन वेदविभाग के आचार्य डॉ. शैलेंद्र प्रसाद उनियाल महोदय ने किया , इस अवसर पर प्रायः 21 प्रतिभागियों ने पत्र वाचन किया, एवं धन्यवाद ज्ञापन आचार्य रघु बी. राज महोदय ने किया ।**
उद्घाटनसत्र में **आचार्य**	
	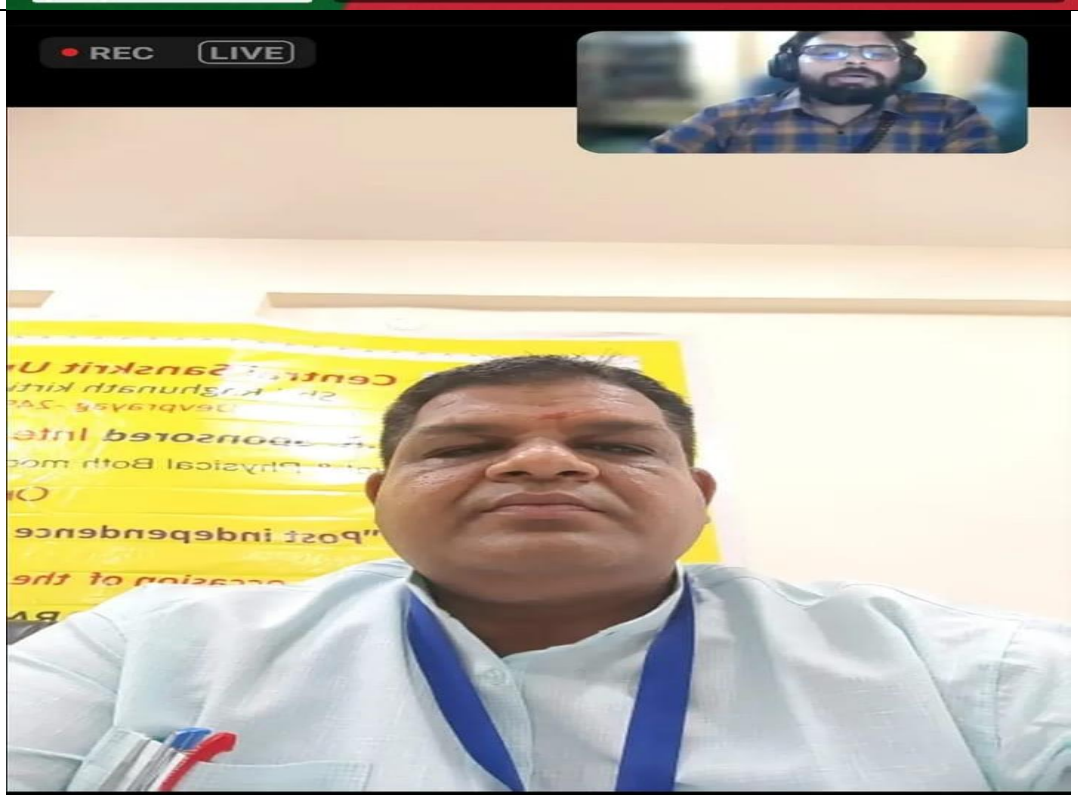 अन्तर्जालमाध्यम से पत्रवाचन तथा , संगोष्ठी के समन्वयक डां. सच्चिदानन्दस्नेहीमहोदय

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर

देवप्रयाग -249301

	शंकराचार्य जयंती के अवसर पर दिनांक 05-07-2022 को **शंकराचार्याणां जीवनदर्शनं** इस विषय में निबंध प्रतियोगिता भी आयोजना की गई थी वेदांता विभाग के आचार्य रघु बी राज प्रतियोगिता के संयोजक थे । पुरस्कृत छात्रों का नाम क्रमशः इस प्रकार है- प्रथम = दीपक नौटियाल द्वितीय = मन्दीप रावत तृतीय = गीतानन्द ब्रह्मचारी 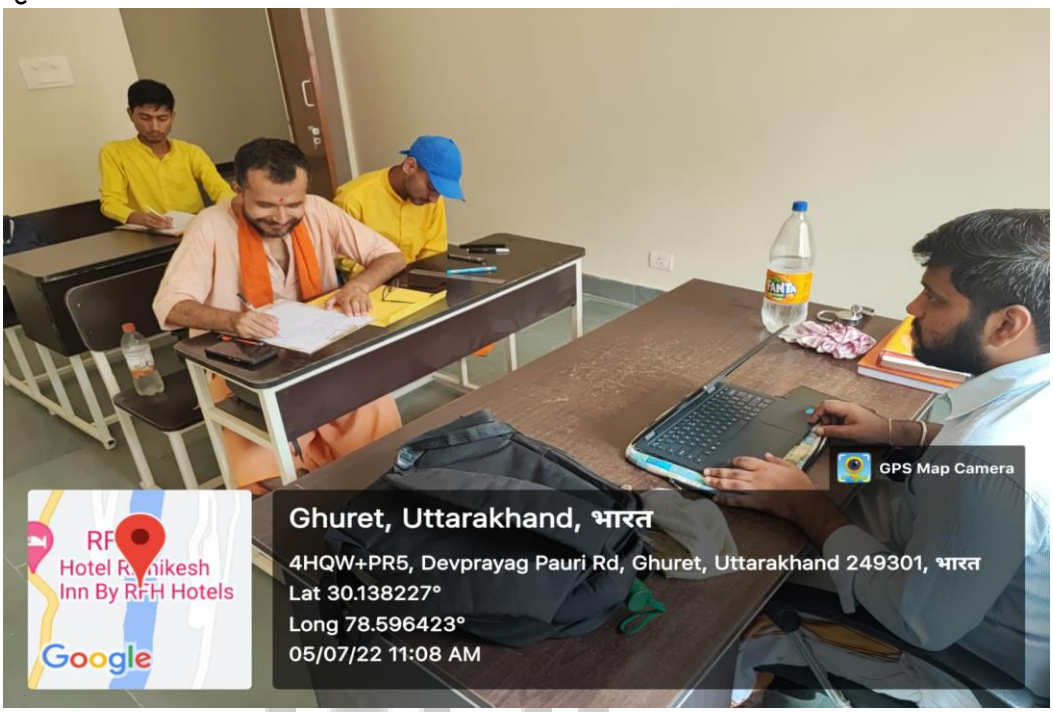 05/07/2022 दिनाङ्क को निबन्धप्रतियोगिता
	दिनांक 07-07-2022 को न्याय विभाग के आचार्य जनार्दन सुवेदी के संयोजन में प्रश्न मंच प्रतियोगिता संपादित की गई, जिसमें निर्णायक के रूप में श्री रघु बी.राज एवं साहित्य विभाग के आचार्य डॉ.दिनेश चन्द्र पाण्डेय महोदय थें। पुरस्कृत छात्रों की सूची इस प्रकार है- प्रथमस्थान= गीतानन्दब्रह्मचारी, अंशुलपाठक। द्वितीयस्थान = आकाशगैरोला, श्रुति शर्मा। तृतीयस्थान = मंदीप रावत, दीपकनौटियाल।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर

देवप्रयाग -249301

	 प्रतियोगिता मे पुरस्कृत छात्रा
07/07/2022 प्रश्नमञ्चप्रतियोगिता	**दिनाङ्क** 12/07/2022 को जनार्दन सुवेदी महोदया के संयोजन में "भारतीयदर्शनानां प्रासङ्गिकता" इस विषय पर सम्भाषणप्रतियोगिता सम्पन्न हुई जिस मे निर्णायक डां दिनेशचन्द्रपाण्डेय एवं आशुतोषतिवारीमहोदय थे । पुरस्कृत छात्रों सूची - प्रथम: = मन्दीपरावत:। द्वितीय: = श्रुति शर्मा। तृतीय:= गीतानन्दब्रह्मचारी।
	15/07/2022 दिनांक को द्वितीय दिवस का पत्र वाचन सत्र 11:00 बजे से प्रारंभ हुआ जिसमें सत्राध्यक्ष के रूप में साहित्य विभाग के आचार्य डॉ.अनिल कुमार महोदय थे, एवं प्रस्तावना तथा स्वागत भाषण डॉ सच्चिदानंद स्नेही महोदय ने किया जिस में प्रायः 40 छात्रों ने पत्रिका

पत्र वाचन किया, मंच संचालन व्याकरण विभाग के आचार्य डॉक्टर श्रीओम् शर्मा जी ने किया, आध्यक्षीय उद्बोधन डॉ. अनिल कुमार महोदय ने किया।

संगोष्ठी का समापन सत्र 15-07 -2022 दिनांक को मध्याह्न 3:00 बजे से प्रारंभ हुआ समापन सत्र में सारस्वत अतिथि के रूप में भारतीय स्टेट बैंक शाखा देवप्रयाग के प्रबंधक डॉ. श्वेता गुप्ता जी ने उद्बोधन किया, विशिष्ट अतिथि के रूप में रघुनाथ कीर्ति आदर्श महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शैलेंद्र प्रसाद कोटियाल जी ने व्याख्यान दिया, एवं अध्यक्षीय उद्बोधन परिसर के माननीय नदेशक प्रों एम चन्द्रशेखर महोदय ने किया। संपूर्ण कार्यक्रम के मुख्य संयोजक न्याय विभाग के आचार्य डॉक्टर सच्चिदानंद स्नेही महोदय सभी का धन्यवाद किया।

सङ्गोष्ठी के कुछ स्मृतिस्वरूप छायाचित्र।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर

देवप्रयाग -249301

	'आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा करेगी नई शिक्षा नीति' **केंद्रीय संस्कृत विवि के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में हुई संगोष्ठी में बोले वक्ता** **देवप्रयाग।** केंद्रीय संस्कृत विवि के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में भारतीय दर्शन दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें नई शिक्षा नीति पर विचार विमर्श किया गया। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने नई शिक्षा नीति को आत्म निर्भर भारत की परिकल्पना को पूरा करने वाला बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर निदेशक प्रो. एम. चंद्रशेखर ने कहा कि कोई भी विषय दर्शन से अछूता नहीं है। हमारा भारतीय दर्शन विशाल ज्ञान का आधार है। इस मौके पर विभिन्न गतिविधियों में बेहतर कार्य करने वाली छात्रा वर्षा नेगी, स्वामी गीतानंद, श्रुति शर्मा, मंदीप सिंह रावत, अंशुल पाठक, दीपक आदि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डा. सच्चिदानंद स्नेही डा. मनीषा आर्या, डा. वीरेंद्र सिंह, डा. शैलेंद्र प्रसाद उनियाल, डा. अनिल कुमार, डा. अरविंद सिंह, डा. सुरेश शर्मा मौजूद थे। संवाद कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल को सम्मानित करते निदेशक। संवाद **सङ्गोष्ठी में पञ्जीकृत प्रतिभागियों की संख्या - 250** **अन्तर्जालमाध्यम से श्रोतागण की संख्या - 350** **पत्रप्रस्तुतकर्ताओं की संख्या - 79** **प्रतिपुष्टि देने वालों की संख्या - 125**

डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही
समन्वयक,
सह-आचार्य, न्यायविभाग

ICPR
INDIAN COUNCIL OF PHILOSOPHICAL RESEARCH

(प्रो. एम. चन्द्रशेखर)
निदेशक,